

रहवर मिला, न कोई, हम गम के मारे के लिये
हम तो तड़पते ही रहे, तेरे इशारे के लिये

① बड़े खुशनुमा हैं लोग वो जिन्हे चांदनी मिली
रातों में हम रोते हैं, केवल सितारों के लिये
हम तो ----- रहवर मिला -----

② तेरे नाम के, दीवानों को, बस चोट ही मिली
बुद्ध तो दया, वर्षा दो मेरे, अब हम विचारों के लिये
हम तो ----- रहवर मिला -----

③ रहमो कश्म के वास्ते हम दरबंदर हुए
क्यों दी शिजा, हक में मेरे तरसे, कश के लिये
हम तो ----- रहवर मिला -----

④ हमने तमाम उम्र मर, बस अशक ही, पिये
मजधार में, श्री बाबा श्री मेरे तरसे, फिनारों के लिये
हम तो ----- रहवर मिला -----